Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 24-03-2005
Participants : Kripalani Shri Srichand,Babbar Shri Raj

Title: Payment of compensation to the farmers affected due to hailstorm in Agra, Uttar Pradesh.

SHRI RAJ BABBAR (AGRA): Yes, I am occupying my seat. महोदय, बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे के लिए आपने समय दिया उसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, प्रकृति का प्रकोप पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश के आस-पास के प्रदेशों में इस तरह से आया कि किसान बिलकुल मरणासन्न स्थिति में है। ओलावृटि से उत्तर प्रदेश के अंदर कम से कम 15-16 जिले ऐसे हैं जहाँ पर घमासान बारिश होने की वजह से, ओला पड़ने की वजह से किसानों की फसल मारी गयी है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र आगरा के अंदर फतेहपुर सीकरी और अचनेरा, 23 गांव फतेहपुर सीकरी में आते हैं जिनमें से 11 गांव पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गए हैं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not interrupt the hon. Member. This is very unfortunate. He is raising such an important issue.

श्री राज बब्बर : महोदय, इस स्थिति के अंदर उत्तर प्रदेश और खास कर के आगरा और फतेहपुर सीकरी के अंदर, इतिहास गवाह है कि फतेहपुर सीकरी के अंदर अकबर के जमाने से पानी की किल्लत रही है। वहां का किसान किस तरह से अपनी फसल को उगाता है, किस तरह से अपनी फसल की रक्षा करता है। उस क्षेत्र के अंदर पूरे साल में केवल एक फसल होती है। वहाँ पर जो मुआवजा आज दिया जा रहा है, पता नहीं, बाबा आदम के जमाने का एक कानून बना हुआ है कि ढाई हजार रूपये आपदा की स्थिति के अंदर एक हैक्टेयर में मिलेगा। मेरे ख्याल से अगर फसल की बुआई, निराई या सिंचाई के लिए जितना पैसा एक साल के अंदर एक हैक्टेयर में करने के लिए लगाया जाता है, वह पैसा भी ज्यादा होता है। ढाई हजार रूपये सिंचित जमीन के लिए और असिंचित जमीन के लिए एक हजार रूपये देने को कहा गया है। यह केन्द्र सरकार ने जो मुआवजा तय किया है। वह सन् 1975 में रिवाइज होने के बाद एकड़ से हैक्टेयर में आ गया है। आज मेरे क्षेत्र का किसान बिलकुल मौत की सांसे गिन रहा है और आने वाले कल के अंदर उनके परिवारों की क्या हालत होगी। जब मुआवजा देने की बात आयी, तो शर्म से कहना पड़ता है कि उस क्षेत्र के किसानों को दस रूपये का चैक दिया जा रहा है। दस रूपये के चैक के अंदर पांच सौ रूपये का कम से कम एकाउंट उसको खुलवाना पड़ेगा, तब वह उस चैक को तुड़वाएगा।

मेरा माननीय अध्यक्ष महोदय के द्वारा इस सदन से अपील है कि यहाँ पर केवल सरकार ही नहीं बल्कि सभी पार्टियों के नेता, सांसद इन जगहो पर जाकर उनका निरीक्षण करें और एक संसदीय कमेटी वहां पर जाए और तय करे कि कितना मुआवजा उनको दिया जा सकता है। वहां पर जो सरकारी बैंक हैं जो बीज के लिए, रूपाई के लिए, फसल की कटाई के लिए लोन देते हैं, उसमें अपने आप जो बीमा प्रीमियम भरा जाता है, वह बीमा प्रीमियम होने के बावजूद भी उनको मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। मैंने माननीय प्रधान मंत्री जी, ग्रामीण विकास मंत्रालय और कृषि मंत्री जी को पत्र लिखा। उसके जवाब में प्रधान मंत्री जी ने मुझे जवाब दिया कि वे इस विाय पर ध्यान देंगे। 15 मार्च का पत्र गया हुआ है लेकिन अभी तक एक पैसा भी वहां पर नहीं दिया जा रहा है। किसान मर रहा है। प्रदेश सरकार वहाँ पर खुला राशन देने की कोशिश कर रही है। लेकिन क्या किसान भीख लेता रहेगा? यदि ऐसा ही रहा तो आने वाले समय में उनके परिवार का कोई सदस्य वैश्यावृत्ति में जाएगा या कहीं और जाएगा।

MR. SPEAKER: Let us not hope so.

श्री राज बब्बर : आने वाले कल में फिर कोई स्टिंग औपरेशन होगा लेकिन कोई भी चैनल यह नहीं देख रहा है कि वहां पर क्या हालत होने जा रही है। उनके परिवारों की क्या हालत होने जा रही है? वहां पर किसी को शक्ति कपूर या अमन वर्मा की जरूरत नहीं है। वहाँ पर इंसानियत की जरूरत है। उन चैनलों की जरूरत है जो वहां के हालात पर रोशनी डाल सकें।

महोदय, मैं आपके द्वारा सदन से और सरकार से मांग करता हूं कि उन किसानों को कम से कम ढाई लाख रुपये का मुआवजा देना चाहिए। केन्द्र सरकार को इस बारे में दुबारा से सोचना चाहिए कि आपदा की स्थिति सिर्फ सुनामी की नहीं है, आपदा की स्थिति जिन्दा रहने वाले किसानों की भी है जो आने वाले कल में मौत का सामना कर रहे हैं।

मेरी आपसे एक और विनती है कि जो ढाई हजार रुपया और एक हजार रुपया दिया जा रहा है, वह केवल दो हैक्टेयर तक की जमीन वाले किसानों को दिया जा रहा है, दो हैक्टेयर से ऊपर की जमीन वाले किसानों को कोई मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। फतहपुर सीकरी और अचदा गांव का एक फसल बोने वाला किसान किस तरह गुजारा करता है, जो पहले पत्थर तोड़ता था लेकिन आज वह काम भी सुप्रीम कोर्ट की वजह से बंद हो गया है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Raj Babbar, you have very effectively put forward you case. Please conclude.

श्री राज बब्बर : किसान आज भीख मांगने के कगार पर है।...(व्यवधान) आपने मुझे बोलने का समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI HANNAN MOLLAH (ULUBERIA): Sir, my notice was also on the same issue.

MR. SPEAKER: You are associating regarding your matter.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate.

श्री श्रीचन्द कृपलानी (चित्तौड़गढ़) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी इनके साथ ऐसोशिएट करता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, ऐसोशिएट कर दीजिए। आप एक बात कहने के लिए बार-बार खड़े हो रहे हैं।

...(व्यवधान)